



हिन्दी माध्यम का सर्वश्रेष्ठ संस्थान

निर्माण IAS

मिशन शक्ति

संदर्भ

- प्रधानमंत्री ने 27 मार्च, 2019 को राष्ट्र के नाम संदेश प्रसारित किया। टीवी, रेडियो तथा सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया।
- भारत की विकास यात्रा की दृष्टि से यह मिशन महत्वपूर्ण है। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने का मुख्य उद्देश्य भारत की तकनीकी प्रगति है। यह मिशन शक्ति भारत के सपनों को सुनिश्चित करने की ओर एक कदम है।

मिशन क्यों खास है?

- यह मिशन भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस मिशन के तहत भारत जल, नभ और थल के अलावा अंतरिक्ष में भी दुश्मन की हरकतों पर नजर रख सकता है अर्थात् अगर कोई दुश्मन देश अंतरिक्ष में सैटेलाइट के जरिए भारत पर नजर रख रहा है या फिर जासूसी कर रहा है तो भारत उसकी मिसाइल को नष्ट कर सकता है।

मिशन शक्ति

- प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में मिशन शक्ति के बारे में बताया। इस मिशन के बाद भारत अंतरिक्ष में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी महाशक्ति बन गया है।
- मिशन शक्ति के तहत भारत ने सैटेलाइट को निशाना बनाने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।
- भारत ने इस मिशन के जरिए लो अर्थ ऑर्बिट यानि LEO में मौजूद एक सैटेलाइट को मार गिराया।
- भारत की ओर से DRDO ने यह परीक्षण किया है।
- एंटी सैटेलाइट वैपेन एक ऐसी मिसाइल होती है जिसके जरिए अंतरिक्ष में घूम रहे सैटेलाइट को निशाना बनाया जाता है।
- इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन ही यह उपलब्धि हासिल कर सके हैं और अब भारत चौथी महाशक्ति के रूप में उभरा है।

क्या है एंटी सैटेलाइट (ए-सैट) मिसाइल?

- यह मिसाइल किसी भी देश को अंतरिक्ष में सैन्य ताकत देने का काम करता है।
- एंटी सैटेलाइट वैपेन एक ऐसी मिसाइल होती है जिसके जरिए अंतरिक्ष में घूम रहे सैटेलाइट को निशाना बनाया जाता है।
- यह मिसाइल धरती से कई किलोमीटर दूर ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं।
- सामरिक सैन्य उद्देश्यों में इस्तेमाल सैटेलाइट को मार सकता है।
- इस मिसाइल द्वारा किसी भी देश के कम्यूनिकेशन सिस्टम को खत्म किया जा सकता है।
- लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) या पृथ्वी की निचली कक्षा 160 किलोमीटर और 2,000 किलोमीटर के बीच ऊंचाई पर स्थित पृथ्वी के चारों ओर एक कक्षा (ऑर्बिट) है।
- लगभग 160 किलोमीटर (99 मील) या उससे नीचे वस्तुएँ बहुत तेजी से कक्षीय क्षय (ऑर्बिटल डीकेय) और ऊंचाई नुकसान (एल्टीट्यूड लॉस) का अनुभव करती हैं।